to the Indian situation. The information gathered during the discussions was intended to be an input in the formulation of tax policies in future.

दिल्ली में घरेलू क्षेत्र में विद्युत के उपयोग को युक्ति-संगत बनाया जाना

*113. **डा० जितेन्द्र कुमार जैन :**
श्री रणजीत सिंह :

क्या **विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 24 दिसम्बर, 1991 के "दि फाईनेंशियल एक्सप्रैस" में "एनर्जी एफिशयेंसी कैन सेव 94 मेगावाट पर एनम" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या दिल्ली में घरेलू क्षेत्र में 15 प्रतिशत तक विद्युत का उपयोग किया जाता है;

(ग) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि एयर कंडीशनर, कूलर, रेफ्रिजरेटर और पंखे जैसे घरेलू विद्युत उपकरणों में सुधार कर उनके उचित उपयोग द्वारा विद्युत उपयोग की प्रतिशतता में कमी लाई जा सकती है; और

(घ) यदि हां, तो भविष्य में घरेलू-उपयोग के क्षेत्र में विद्युत की बचत के लिए सरकार ने क्या लक्ष्य निर्धारित किये हैं ?

विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) से (घ) 24 दिसम्बर, 1991 को "फाइनेंशियल एक्सप्रैस" में एनर्जी एफीशियन्सी कैन सेव 94 मे० वा० पर एनम" नामक शीर्षक से प्रकाशित समाचार, विद्युत विभाग की ओर से टाटा एनर्जी रिसर्च इन्सटीट्यूट द्वारा किए गए अध्ययन के निष्कर्षों पर आधारित है । उक्त अध्ययन का उद्देश्य, ऊर्जा का उपयोग करने वाले घरेलू उपकरणों में ऊर्जा की बचत की सम्भाव्यता का पता लगाना था । कथित अध्ययन में बिजली की अखिल भारत आधार पर घरेलू खपत 15 और दिल्ली की खपत 34.41% इंगित की गई थी ।

घरेलू क्षेत्र में बिजली की खपत में कमी घरेलू उपकरणों की दक्षता में सुधार किए जाने और उनका युक्तियुक्त उपभोग किए जाने के माध्यम से की जा सकती है । यह अनुमान लगाया गया है कि इलैक्ट्रोनिक कैपेसिटर्स जैसी ऊर्जा दक्ष लाईटिंग प्रणाली और इलैक्ट्रोनिक प्रणाली और इलैक्ट्रोनिक फैन रेगुलेटर्स आदि के उपयोग से बिजली की खपत में पर्याप्त कमी की जा सकती है । घरेलू क्षेत्र में बिजली की बचत के सम्बन्ध में कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है । तथापि, सन्दर्भित अध्ययन में की गई सिफारिशों के आधार पर निम्नलिखित कदम उठाए जाने का प्रस्ताव है घरेलू उपकरणों के मामले में ऊर्जा दक्षता सम्बन्धी जागरुकता अभियान आरम्भ करना, ऊर्जा सम्बन्धी विद्यमान मानकों की पुनरीक्षा सहित मानकों सम्बन्धी प्रावधानों को सख्ती से लागू करना । इसके अलावा, घरेलू उपकरणों पर लेबल लगाए जाने सम्बन्धी मामला भी विचाराधीन है ।

Tourism Task Force Cell in I.T.D.C.

*114. SHRI N.E. BALARAM : Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 3328 given in the Rajya Sabha on the 24th March, 1992 and state the quantum of amount allocated by the Central Government to be spent through the I.T.D.C. Tourism Task Force for identifying and developing new areas of tourist potential in the country during the year 1991-92 and for 1992-93 onwards ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA) : The Central Department of Tourism does not specifically earmark funds to the ITDC for its Tourism Task Force activities. However, financial assistance is extended to the State Governments/ Tourism Development Corporations for